

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

माग II--ख•३ 3 -- उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-Section (i) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 2 347]

मई दिल्ली, शुक्रवार, नवस्बर 2, 1979/कार्तिक 11, 1901

No. 3471

NEW DELHI. FRIDAY, NOVEMBER 2, 1979/KARTIKA 11, 1901

इस्स भाग म^क भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अस्तग संकत्तन से रूप म^क रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

लोक समा सविवालय

प्रतिज्ञचना

नई विरूली, 2 नवम्बर, 1979

सांकता कि 611 (क्र) — संसव सदस्य वेसन, भला भौर पेंगन भिष्ठितियम 1954 (1954 का 30) की घारा 9 की उपधारा (3) द्वारा प्रदल मित्रवों का पयोग करने हुए, उस घारा की उपधारा (1) के भ्रशीन गठित संयुक्त समिति केन्द्रीय सरकार से पराममं करने के पश्चात् संसव सबस्य (याला भौर वैनिक भला) नियम, 1957 में भौर मंगोधन करने के लिए एतव्हारा निम्नलिखित नियम बनानी है, जिन्हें उक्त घारा की उपधारा (4) की मपेक्षानुमार, राज्य सभा के सभापति भौर मोक सभा के मध्यक्ष ने मनुमोदित भौर पुष्ट कर दिया है, भ्रथित् :—

- इन नियमों का नाम संप्रद सदस्य (यात्रा भ्रोर पैनिक भन्ना) संगोधन नियम, 1979 है।
- 2. संतव सवस्य (याला न्नीर दैनिक भना) नियम, 1957 (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त नियम कहा गया है) में नियम 3 क के उपनियम (5) में, "विमान के टिकट का प्रतिपण" गव्दों के स्थान पर "विमान के टिकट का प्रतिपण" गव्दों के स्थान पर "विमान के टिकट का प्रतिपण मीर ऐसे मामली में जहां नेत्रहीन या शारीरिक रूप से प्रसमर्थ सवस्य ने वास्तव में वायुयान द्वारा याला की है भीर उसके साब वस्तुतः कोई परिचर था तो वह ग्रपने प्रतिपण के प्रतिरिक्त उस परिचर के विमान के टिकट का प्रतिपण भी प्रस्तुत करेगा" शब्द रहे आएंगे।

- ः वक्तः नियमं के नियम ४७-इ० के पश्चःस् निम्नक्षितानियम ग्रन्तः स्थापित किया जाएना, ग्रयति :-
- "17व. (1) यदि कोई सबस्य इन पकार शारीरिक रूप से ग्रसमर्थ है कि उसे वायुवान द्वारा याला में परिचर की ग्रमेशा है तो वह, यथा-स्वित, राज्य सभा के सभापित या लोक सभा के भ्रष्टपक्ष को दिए जाने वाले धानेदन के साथ, द्वार राममनोहर लोहिया भ्रस्पताल के चिकित्सकों के पैनल से एक प्रमाण-पत्र संलच्न करेगा, जिसमें यह मत्यापित किया जाएगा कि ग्रसमर्थता स्थायी स्वरूप की ।
- (2) यदि ध्रसमर्थता अस्थायी स्वरूप की है तो ऐसी झसमर्थता की अवधि विनिविष्ट की जाएगी और प्रारम्भ में वह छह मास से अधिक की नहीं होंगी ।
- (3) यथि सवस्य यह समझला है कि उपनियम (2) में निदिन्ट अविक के पञ्चान भी उसे विमान द्वारा याज्ञा के लिए परिचर की अपेक्षा है, तो वह उपनियम (1) में निर्मिश्ट चिकित्सकों के पैनेस के समझ ऐसा प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए, जिसे उपनियम (2) के उपनंध लागु होंगे, पन उपस्थित होगा"।

[एफ सं० 3/1/एम • एस • ए • / 79]

श्रवतार सिंह रिखी, सचीन

LOK SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd November, 1979

- G.S.R. 61; (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 9 of the Salary, Allowances—and Pension of Members of Parliament Act, 1954 (30 of 1954), the Joint Committee constituted under sub-section (1) of that section after consultation with the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Members of Parliament (Travelling and Daily Allowances) Rules, 1957, the same having been approved and confirmed by the Chairman of the Council of States, and the Speaker of the House of the People, as required by sub-section (4) of the said section, namely:
- 1. These rules may be called the Members of Parliament (Traveiling and Daily Allowances) Amendment Rules, 1979.
- 2. In the Members of Parliament (Travelling and Daily Allowances) Rules, 1957 (hereinafter referred to as the said Rules), in rule 3-A, in sub-rule (5), for the words "the counterfoil of the air ticket", the words the counterfoil of the air ticket and in cases where a blind or physically meapacitated Member had actually performed his journey by air and was actually accompanied by an attendant, he shall, in addition to his own counterfoil, produce the counterfoil of the air ticket of the attendant" shall be substituted.

- 3. After rule 17-E of the said Rules, the following rule shall be inserted, namely :--
 - "17-F. (1) A Member who is so physically incapacitated as to require an attendant to accompany him by air shall, along with his application addressed to the Chairman of the Council of States or the Speaker of the House of the People, as the case may be, append therewith a certificate from a panel of doctors of Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, certifying the nature of incapacity whether permanent or temporary.
 - (2) If the nature of the incapacity is temporary, the period of such incapacity shall be specified and shall not initially exceed six months.
 - (3) If the Member feels that an attendant is required for travel by air along with bim even after the period referred to in sub-rule (2), the Member shall appear again before the panel of doctors referred to in sub-rule (1) for obtaining a certificate to which the provisions of sub-rule (2) shall apply."

[F. No. 3/1/MSA/79]

AVTAR SINGH RIKHY, Secy.